प्रधान मंत्री किसान पशु क्रेडिट कार्ड योजना में स्वीकृत पशुपालकों को ऋण वितरण कैम्प में स्पीकर महोदय का सम्बोधन

---

1. राजस्थान राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के सभी पदाधिकारीगणों, बूंदी कृषि उपज मंडी के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, किसान और पशुपालक भाइयों-बहनों, देवियों और सज्जनों; नमस्कार।

2. आज बूंदी की कृषि उपज मंडी परिसर में हम सब एकत्र हुए हैं, इसमें हमारा उद्देश्य है कि क्षेत्र के ज़रूरतमन्दपशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए जाने हैं। आज के कार्यक्रम में हम क्षेत्र के .....पशुपालक भाइयों को क्रेडिट कार्ड वितरण करेंगे। मैं सभी पशुपालक मित्रों को इसके लिए बधाई देता हूँ।

3. पूरा हाड़ौती प्रदेश ही कृषि आधारित प्रदेश है। और यहाँ पशुपालकों की संख्या भी अच्छी-खासी है। गाँव में जिनके पास जमीन है वो लोग खेती-बाड़ी करते है, साथ में कुछ लोग पशु पालन भी करते हैं। मगर जिनके पास जमीन नहीं है; ऐसे बहुत से लोग हैं जोगाय-भैंस, बकरी, मुर्गी पालकर अपना जीवनयापन करते हैं। पशुपालकों को कई बार उन लाभकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाता है जो किसानों को मिलता है।

4. इसके लिए क्षेत्र के कई लोगों ने मुझे बताया था। और मैं खुद भी जब आपसे मिलता रहता हूँ तो इस क्षेत्र में लोगों की क्या क्या समस्याएं हैं, किन - किन परेशानियों से हमारे ग्रामीण भाई-बहनों को जूझना पड़ता है; इतना मुझे आभास रहता है।

5. इसलिए पिछले महीने भी मैंने राज्य स्तर के बैंक अधिकारियों की मीटिंग ली थी। बैंक अधिकारियों से मैंने कहा था कि जो भी संभव उपाय मिले, आप उस अनुसार करो, मगर हमारे संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी के पशुपालकों के भी किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए काम करो। इन तक सरकार की योजना का फायदा पहुँचाओं।

6. मुझे खुशी है कि हमारे बैंक अधिकारियों ने इस दिशा में सकारात्मक काम किया है। मैं इसके लिए बैंक अधिकारियों को साधुवाद देता हूँ।गाय-भैंस, बकरी पालने वाले पशुपालकों को जिन्हें अपना काम, अपना रोजगार बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत होती है, अब हमारे ऐसे पशुपालक भाई-बहन क्रेडिट कार्ड से अपनी जरूरत पूरी कर सकेंगे। आपको ..... हजार रुपये तक का एडवांस लोन इस कार्ड से मिल सकेगा। और जब आप उस लोन को निर्धारित समय में चुका दोगे तब फिर से आपको कार्ड से लोन मिल सकेगा। टाइम से अगर

हम लोन बैंक को चुका देते हैं तो फिर एक समय बाद बैंक आपकी लिमिट भी बढ़ाने के लिए काम करेगा। इससे हमारे पशु पालने वाले भाई-बहनों को भविष्य में कई लाभ होंगे।

7. खेती और पशुपालन के काम में हम कह नहीं सकते कि कब क्या हो!! इनमें नुकसान होने की संभावना रहती है। कभी बाढ़, सूखा, पाला पड़ने तो कभी पशुओं में कोई बीमारी, कोई संक्रमण हो जाए; तब मुसीबत आ जाती है। हमारे पशुपालक साथियों की इस समस्या को मैं समझता हूँ। आपकी इस परेशानी को प्रतिष्ठित बैंक और बैंक अधिकारियों ने भी समझा है।

8. आज इस कार्यक्रम में मैं सभी बैंक अधिकारियों से कहूँगा कि भारत इस वर्ष अपनी 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। हम इस वर्ष अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। देश के लिए यह साल और आने वाले वर्ष तरक्की और समृद्धि के साल हैं। इन वर्षों में हम चाहते हैं कि गाँव-ढाणी के किसान, मजदूर से लेकर हर वर्ग, हर समूह तक खुशहाली पहुँचे। इसके लिए केंद्र और सभी राज्यों की सरकारों को मिलकर काम करना है। इसी के साथ मैं समझता हूँ कि इस कार्य में भारत के बैंकों की बड़ी भूमिका होने वाली है।

9. पशुपालकों, किसानों, महिलाओं और छोटे उद्योगों को वित्तीय सहायता देकर आत्मनिर्भर नव भारत को आगे बढ़ने के लिए बैंकों का सहयोग बहुत ज़रूरी है। मैं बैंकअधिकारियों से अपील करता हूँ कि आप कमजोर, रोजगार विहीन वर्ग के लिए रोजगार का साधन बने, लोन के रूप में उन्हें आर्थिक सहायता देते समय हिचकिचाएं नहीं; ताकि आर्थिक तौर पर कमजोर लोग अपना रोजगार कर सके। आपके लोन की सहायता से साधारण जन अपना काम शुरू कर सकता है, अपने काम का विस्तार भी कर सकता है। इन दोनों ही स्थितियों में जब व्यक्ति अधिक कमाई करने लगेगा तो वो अधिक संबल होगा। जिससे देश समृद्ध होगा।

10. माननीय प्रधानमंत्री जी कि जो सोच है कि भारत का युवा रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बने। इस सोच को साकार करने में आप बैंक अधिकारियों की बड़ी भूमिका है।

11. भारत जैसे देश में, जिसकी अर्थव्यवस्था खेती और किसानों पर निर्भर है। ऐसे हमारे देश में कमजोर समूहों, आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के वित्तीय समावेशन/ फाइनेंशियल इंक्लूजन यानि लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की एक बड़ी ज़िम्मेदारी बैंकों पर हैं।

12. एसएलबीसी की पिछली बैठक में मैंने आपको बैंगलोर के एक स्टार्टअप के बारे में बताया था। मैंने बताया था कि कैसे बैंगलोर में 2 इंजीनियर युवाओं ने एक स्टार्टअप शुरू किया है, जिसमें वोबिना किसी विशेष सिक्योरिटी के लोन देते हैं। बैंकों का काम ऐसा हो जाए ये तो मुश्किल है। लेकिन फिर भी छोटे किसानों,

श्रमिकों, पशुपालकों को ऋण देते समय आपको संवेदनशीलता से काम करना चाहिए। आपको अधिक उदारता और सम्मान के भाव से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम करना चाहिए।

13. ये ज़रूरी है कि बैंकों में लोन आवेदन के लिए आने वाले आम, कमजोर लोगों को बैंक मैनेजर सकारात्मक दृष्टि से देखें। किसी को भी पहले ही अपने अनुसारडिफ़ॉल्टरमानने की नकारात्मक धारणा नहीं बनाए। आप पहले ही अगर किसी के बारे में सोच लेंगे कि ये व्यक्ति लोन नहीं चुकाएगा तो आप उसे लोन दे ही नहीं पाओगे। इसमें उस व्यक्ति का क्या दोष! आप बैंक के अधिकारी एक सकारात्मक दृष्टि से हमारे किसानों, आम-गरीब जनों को देखेंगे, जो लोन लेने के लिए बैंक आते हैं, उन्हें आप सही नजरिए से देखेंगे तब आप उन्हें लोन देंगे। और मैं आपका बताऊँ कि जब आपसे लोन लेकर कोई साधारण व्यक्ति अपना काम-रोजगार को शुरू करेगा या अपने काम को बढ़ाएगा, तब बचत होने पर वो सबसे पहले आपका पैसा चुकाने के बारे में सोचेगा। इसलिए पहले ही किसी के बारे में नेगेटिव परसेप्शन/धारणा अगर आप नहीं बनाते हो, उसी से बैंक और आमजन को लाभ होगा।

14. और अगर आप डिफॉल्टर की बात करते हो तो बड़े से बड़ा पैसे वाला भी डिफॉल्टर हो ही जाता है। कई बार बैंक घाटे में चले जाते हैं, मगर उसका नुकसान आम और कमजोर लोगों को उठाना पड़े तो ये गलत है। कुछ केस में किसान और ग्रामीण लोग डिफॉल्टर होते भी हैं तो ये कोई बड़ा अमाउन्ट भी नहीं है, जिसके लिए हम योजना का लाभ ही जनता को ना दें। इसलिए आप संवेदनशीलता के साथ इस योजना पर काम करें।

15. प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, किसान क्रेडिट कार्ड ऐसीकितनी ही वित्तीय योजनाएं हैं, जिनका लाभ आम और गरीब आदमी तक पहुंचाना ज़रूरी है। हमारे देश और प्रदेश में मैंने देखा है ऐसा होता है कि ठेला लेकर उस पर काम कोई और व्यक्ति करता है और उस ठेले का मालिक दूसरा व्यक्ति होता है। आप इससे अंदाजा लगा सकते हो कि बहुत से लोग जिस ठेलेपर काम करते हैं, वो ठेला नहीं खरीद पाते हैं और हर दिन के हिसाब से उसका किराया देते हैं। इससे उसकी बचत कम होती है और कमजोर आर्थिक वर्ग का व्यक्ति सशक्त नहीं हो पाता है। ये स्थिति अच्छी नहीं है।

16. मैं चाहता हूँ कि ठेले पर काम करने वाला व्यक्ति ठेले का मालिक बने। इसके लिए हमारे सम्मिलित प्रयास होने चाहिए।

17. आप बैंक अधिकारी जब निम्न वर्ग के लोगों कोकोई लोन सेंक्शनकरें तो उस समय संवेदना के साथ काम करें। यहाँ आपकी भूमिका हमारे समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है।

18. सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रमुख लक्ष्य आमजन को फायदा पहुँचाना होता है। आमजन को परेशान करना, उसे भटकाना उस योजना का उद्देश्य नहीं होता। लेकिन कई बार सरकार की इन योजनाओं में अधिकारी जिस सख्ती से काम करते हैं, नियम-कायदों के कठिन पेच से कई बार आमजन को बेवजह परेशान होना पड़ता है, उन्हें भटकना पड़ता है। अधिकतर अधिकारी भी जब नौकरी लगते हैं तो नॉर्मल बैकग्राउंड के होते हैं। आर्थिक तंगी और कठिनाइयाँ उन्होंने भी देखी होती है, मगर अधिकारी बनने के बाद कई लोग आमजन से संवेदना नहीं रखते।

19. इस कारण भी व्यवस्था को लेकर साधारण व्यक्ति के मन में गलत धारणा बनती है। ये स्थिति ठीक नहीं।

20. लोन देने के लिए जो भी सरकारी योजना है, उसमें आप बैंक अधिकारी एक कोशिश करें कि उसमें लोन सेंक्शन करने की जो समय अवधि है वो कम की जा सके। अब अगर किसी को 10 हज़ार रुपये का लोन चाहिए और आप अगर उसे महीने भर का इंतजार करवा दें उसका लोन सेंक्शन करने के लिए फिर उससे क्या फायदा!!

21. केंद्र सरकार की मुद्रा योजना में जो शिशु लोन दिए जाते हैं, कम अमाउन्ट के उस पर अधिक से अधिक काम करें ताकि गरीब आदमी तक इन योजनाओं का लाभ पहुँचे।

22. हमारे पशुपालक भाई-बहनों को पशुपालकक्रेडिट कार्ड मुहैया करवाने के लिए हम क्षेत्र अनुसार कैम्प लगाकर काम करें तो ये बेहतर होगा।

23. जिस क्षेत्र में पशुपालक ज़्यादा है वहाँ 3 - 4 पंचायतों पर एक कैम्प लगाया जाए तथा जहाँ कम संख्या में पशुपालक हो वहाँ 7 - 8 पंचायतों पर कैम्प लगाए जाए। इस तरह ये योजना मिशन मोड में कामयाब हो सकती है।

24. आत्मनिर्भर भारत और विश्व को नेतृत्व देने वाला भारत बनाना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए ज़रूरी है कि देश का प्रत्येक नागरिक आत्मनिर्भर हो। हर एक युवा के पास रोजगार हो, महिलाएं आत्मनिर्भर और सशक्त हो, हमारे किसान समृद्ध हो, हमारे देश, प्रदेश और गाँव-गाँव तक 100 प्रतिशत लोग शिक्षित हो, सभी स्वस्थ हो। आने वाले दशकों में भारत जो तरक्की करें, उसमें हर वर्ग, हर व्यक्ति की भागीदारी हो, सभी का योगदान हो। इसके लिए हमें सामूहिकता के साथ काम करना है। एक बार फिर मैं आज के कार्यक्रम में क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने वाले सभी पशुपालकों को बधाई देता हूँ। मैं बैंक अधिकारियों को मानवीय दृष्टिकोण के लिए धन्यवाद देता हूँ। यहाँ इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों को शुभकामनाएं। धन्यवाद, जय हिन्द।